BA-II
Paper-II
Unit-I

Date
29/07/20

Dr. Raj Gopal
Assistant Professor (Adhoc)
Department of Philosophy
V.S.J. College Rajnagar
Madhubani (L.N.M.U Darbhanga)
Mail ID:- rajgopal7755@gmail.com

Introduction of Logic
(तर्कशास्त्र : परिचय)

तर्कशास्त्र तर्क का विज्ञान है। इसके माध्यम से ऐसी विधियाँ तकनिक और साधन बतलाया जाता है जिनके द्वारा हम सही और गलत, अच्छी और बुरी तर्क-प्रक्रिया में भेद कर सकते हैं। तर्कशास्त्र वैध अनुमान तथा अन्य सम्बद्ध मानसिक प्रक्रियाओं के नियामक सिद्धान्तों का विज्ञान है। वैध सिद्धान्तों का विज्ञान जिनके अनुकूल होने से ही अनुमान वैध होते हैं।

स्पष्ट है कि तर्कशास्त्र का विषय अनुमान है। अनुमान ज्ञान का एक साधन है। अनुमान का अर्थ है 'बाद का ज्ञान' अर्थात एक दिये ज्ञान के आधार पर अन्य बात का ज्ञान प्राप्त होता है, उसे अनुमान द्वारा प्राप्त ज्ञान कहते हैं। जैसे दूर स्थित पर्वत पर धुँआ को देखकर आग का ज्ञान। अनुमान करते में ज्ञात से अज्ञात की ओर जाते हैं। अतः इसमें भूल की संभावना रहती है। इन भूलों को दूर करने के लिए एक सर्वमान्य नियमों की आवश्कता होती है। तर्कशास्त्र सही अनुमान अर्थात वैध अनुमान के नियमों का अध्ययन कराता है। सही तर्क पद्धति वह है जिसमें आधार वाक्यों पर निष्कर्ष आधारित होता है। अर्थात आधार वाक्य इतने शक्तिशाली हों कि वे निष्कर्ष को पुष्ट करें। यदि आधार वाक्य निष्कर्ष की पुष्टि नहीं करता है तो तर्क प्रणाली गलत हो जाती है।

Scanned with CamScanner

तर्कशास्त्र वही अनुमान के नियमों को बतलाता है, उसमें ऐसे नियमों का अध्ययन किया जाता है जिसके पालन से अनुमान में सत्य की प्राप्ति होती है, तर्कशास्त्र को विज्ञान कहा जाता है। विज्ञ के किसी विशेष विभाग का नियमानुकूल अध्ययन विज्ञान है, तर्कशास्त्र में भी अनुमान के नियमों का गुण्यवस्थित अध्ययन किया जाता है। तर्कशास्त्र एक आदर्शमूलक विज्ञान है उसमें अनुमान 'कैसा होना चाहिए' इसका अध्ययन किया जाता है। इस प्रकार से तर्कशास्त्र वैध विचार के सिद्धान्तों के व्यवस्थापन का विज्ञान है।

विचार और भाषा (Thought and Language)

'Logic' शब्द की उत्पत्ति ग्रीक शब्द 'logos' से हुआ है, जिसका अर्थ होता है विचार और भाषा। अतः स्पष्ट है कि तर्कशास्त्र का संबंध विचार और भाषा से है।

विचार :- विचार शब्द का सामान्य अर्थ ज्ञात होता है, जैसे ये अच्छे और बुरे का विचार हो गया अर्थात ज्ञात हो गया। कभी कभी विचार शब्द का प्रयोग प्रत्यय, अनुमान या तर्क के अर्थ में भी करते हैं। प्रत्यय का अर्थ सामान्य विचार है। जब किसी खास व्यक्ति को देखकर मन में एक खास तस्वीर बनता है। यह विशेष विचार है। इन्हीं से हम वस्तुओं का सामान्य विचार भी बना लेते हैं। व्यक्तियों में जो सामान्य गुण है उसे अपने मन में अलग कर उनका सामान्य विचार भी बना लेते हैं। इसे ही प्रत्यय कहते हैं, जैसे मनुष्य का विचार घोड़ा का विचार इत्यादि। प्रत्यय को जब भाषा में निरूपित करते हैं तब वह पद हो जाता है।

Scanned with CamScanner

जब दो प्रत्ययों की एक साथ तुलना किया जाता है तब उसे निर्णय कहा जाता है। इसमें दो प्रत्ययों में संबंध स्थापित किया जाता है। जैसे- गुलाब लाल है। यहाँ गुलाब एवं लालफूल दो प्रत्ययों को मिला दिया जाता है। निर्णय को जब भाषा में प्रकट करते हैं तो उसे वाक्य कहते हैं। एक से अधिक वाक्यों के आधार पर उससे जब मन में दूसरी बात निर्मित कर लेते हैं उसे अनुमान कहते हैं जैसे सभी मनुष्य मरणशील हैं जानकर मोहन मरणशील है का ज्ञान अनुमान है। जब अनुमान को भाषा में व्यक्त किया जाता है उसे युक्ति कहते हैं।

Scanned with CamScanner